

Total No. of Printed Pages—11

Subject Code : 27

B18-SX (E)
(EN/AS/BN)

2 0 1 8

SANSKRIT (E)

Full Marks : 100

Pass Marks : 30

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. Translate the following passages :

4×4=1

তলব অনুচ্ছেদকেইটা অনুবাদ কৰা :

নীচৰ অনুচ্ছেদগুলো অনুবাদ কৰো :

(a) कस्मिंश्चित् नगरे चन्द्रो नाम भूपतिः प्रतिवसति स्म। तस्य पुत्रा वानरक्रीडारता वानरयूथं नित्यमेव अनेकभोजनभक्ष्यादिभिः पुष्टिं नयन्ति स्म। तस्मिन् राजगृहे लघुकुमारवाहनयोग्यं मेषयूथमस्ति।

Or / नाश्वा / अथवा

अथ एकदा दैवदुर्विपाकात् राजभवनस्य अनेके अश्वाः भृशं दग्धाः। राजा सविषादः राजवैद्यान् आहूय प्रोवाच—भोः प्रोच्यतामेषामश्वानां कश्चिदाहोपशमनोपायः।

(b) भद्र, मम नियोगस्य चर्चा त्वया न कर्तव्या। त्वमेव किं न जानासि यथा तस्याहर्निशं गृहरक्षां करोमि? यतोऽयं चिरान्निर्वृतो ममोपयोगं न जानाति।

Or / नाश्वा / अथवा

ततो गर्दभः सकोपमाह—रे दुष्टमते, पापीयांस्त्वं यद्विपत्तौ स्वामिकायपिप्क्षां करोषि। भवतु तावत्, यथा स्वामी जागरिष्यति तन्मया कर्तव्यम्।

(c) तदनेन भोजराजेन भिषग्वरा अपि स्वदेशान्निष्कासिताः। वैद्यशास्त्रमपि अनृतमिति निरस्तम् इति। एतदाकर्ण्य इन्द्रः समीपस्थौ अश्विनीकुमारौ इदमाह—भो! स्ववैद्यौ! कथमनृतं धन्वन्तरीयं शास्त्रम्!

Or / नाश्वा / अथवा

राजा तौ अवलोक्य मुखश्रियाऽमानुषादिति बुद्ध्वा तौ बहु मानितवान्। ततः तौ ऊचतुः—“राजन्! न भेतव्यम्। रोगो निर्गतः। किन्तु कुत्रचिद् एकान्ते त्वया भवितव्यम्” इति।

(d) असमप्रदेशस्य नवग्राम-बरदोवा मण्डलस्य आलिपुखुरी-ग्रामे शंकरदेवस्य जन्म अभवत्। तस्य पितुर्नाम कुसुम्बर भूजा, मातुर्नाम च सत्यसन्ध्या। शैशवे एव तस्य माता-पितरौ दिवं गतौ।

Or / नाश्वा / अथवा

अङ्कीयानाटकानां मध्ये ‘रुक्मिणी-हरणम्’, ‘पारिजात-हरणम्’, ‘चिह्नयात्रा’ इति एतानि प्रसिद्धानि सन्ति। अनेन प्रकारेण श्रीमन्तशंकरदेवः धर्मप्रचारम् अतिरिच्य साहित्यजगति अपि महदवदानं कृतवान्।

2. Explain the following verses with reference to the context :

5×2=10

প্রসঙ্গ-সঙ্গতি দেখুৱাই তলৰ শ্লোককেইটা ব্যাখ্যা কৰা :

প্রসঙ্গ-সঙ্গতি দেখিয়ে নীচের শ্লোকগুলো ব্যাখ্যা কৰো :

(a) अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्द्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्॥

Or / নাইবা / অথবা

बालो वा यदि वा वृद्धो युवा वा गृहमागतः।
तस्य पूजा विधातव्या सर्वस्याभ्यागतो गुरुः॥

(b) सर्गाणामादिरन्तश्च मध्यं चैवाहमर्जुन।
अध्यात्मविद्या विद्यानां वादः प्रवदतामहम्॥

Or / নাইবা / অথবা

यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः।
तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्धुवा नीतिर्मतिर्मम॥

3. Elucidate the idea of the following :

4×2=8

তলত দিয়াবোৰৰ ভাব বহলাই লিখা :

নীচে দেওয়া वाक्यांशुलोर ভাব বিস্তৃতভাবে লেখো :

(a) आतुरस्य मिषङ्मित्रं किंस्त्रिन्मित्रं मरिष्यतः।

Or / নাইবা / অথবা

धन्यानामुत्तमं दाक्ष्यं धनानामुत्तमं श्रुतम्।

(b) प्रेम-प्रीति-भावविलासिनी।

Or / নাইবা / অথবা

नानारससुधा-मधुस्रोतस्विनी।

4. Answer the following questions :

4×3=12

তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ লিখা :

নীচৰ প্ৰশ্নগুলোৰ উত্তৰ লেখো :

(a) How did the leader of the monkeys take his revenge on king Chandra?

বান্দৰৰ দলপতিয়ে কেনেদৰে বজা চন্দ্ৰৰ ওপৰত প্ৰতিশোধ ল'লে ?

বান্দৰদেৰ দলপতি কিভাবে রাজা চন্দ্ৰৰ উপৰে প্ৰতিশোধ নিয়েছিল ?

(b) From which drama the lesson 'Bhāratīya' is adopted? Give an introduction of the dramatist.

'ভাৰতীয়া' নামৰ পাঠটি কোনখন নাটকৰ পৰা সংগ্ৰহ কৰা হৈছে ? নাট্যকাৰজনৰ এটি পৰিচয় দিয়া ।

'ভাৰতীয়া' নামক পাঠটি কোন নাটক থেকে সংগ্ৰহ কৰা হয়েছে ? নাট্যকাৰেৰ একটি পৰিচয় দাও ।

(c) Answer the following questions in Sanskrit :

তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ সংস্কৃতত লিখা :

নীচৰ প্ৰশ্নগুলোৰ উত্তৰ সংস্কৃতে লেখো :

(i) कालिदासस्य जन्म कुत्र अभवत्?

(ii) मघदूतकाव्ये कः मेघं दूतरूपेण प्रेषयामास?

(iii) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' इति नाटके कति अङ्काः सन्ति?

(iv) 'कुमारसम्भव' महाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति?

5. (a) Answer the following questions :

2×5=10

তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ লিখা :

নীচৰ প্ৰশ্নগুলোৰ উত্তৰ লেখো :

(i) "तेष्वेव त्रिषु तुष्टेषु तपः सर्वं समाप्यते।"

What is meant by 'तेष्वेव' here?

ইয়াত 'তেষ्वেব' শব্দটোৰে কি বুজাইছে ?

এখানে 'तेष्वेव' शब्दটিতে কি বুঝিয়েছে ?

(ii) “किमस्माकं पथ्यम्?”

Who asked this question and to whom was it asked?
What is the ‘पथ्यम्’ referred to here?

এই প্রশ্নটি কোনে, কাক সুধিছিল? ইয়াত কি ‘পথ্যম্’ৰ কথা উল্লেখ কৰা হৈছে?

এই প্রশ্নটি কে, কাকে জিজ্ঞাসা কৰেছিল? এখানে কি ‘পথ্যম্’-এৰ কথা উল্লেখ কৰা হৈছে?

(iii) Derive **any two** of the following words :

তলৰ শব্দবোৰৰ যি কোনো দুটাৰ ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰা :

নীচের শব্দগুলোর যে কোনো দুটির ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰো :

प्रायः ; दृश्यताम् ; गृहीत्वा ; वक्तुम्।

(iv) Fill in the blanks :

খালী ঠাই পূৰণ কৰা :

শূন্যস্থান পূৰ্ণ কৰো :

विना वेदः विना गीतां विना ब्राह्मणम् कथाम्।

(v) What did Sankaradeva do to spread his religion?

শংকৰদেৱে তেওঁৰ ধৰ্মপ্ৰচাৰৰ বাবে কি কৰিছিল?

শঙ্করদেव তাঁর ধর্মপ্রচারের জন্য কি কৰেছিলেন?

(b) (i) How many Chapters are there in the ‘मनुस्मृति’?

1

‘मनुस्मृति’ত কেইটা অধ্যায় আছে?

‘मनुस्मृति’তে কয়টি অধ্যায় আছে?

(ii) What is the name of the ‘रजक’?

1

‘रजक’জনৰ নাম কি?

‘रजक’-এৰ নাম কি?

- (iii) Give the Sanskrit equivalent of the word 'मति'. 1
 'मति' शब्दर संस्कृत प्रतिशब्द दिया। बुद्धिः
 'मति' शब्दर संस्कृत प्रतिशब्द दाओ।
- (iv) What is superior to happiness? 1
 सुखतकै उतुत कि ?
 सुखेर थेके उतुत की ?
- (v) Fill in the blank : 1
 खाली ठाई पूरण कवा :
 शून्याहान पूर्ण करो :
 _____ विभवस्राविणी।
- (vi) Who is the author of the lesson 'प्रसरतु-सुरभारती'? 1 /
 'प्रसरतु-सुरभारती' नामर पाठटिब लेखक कोन ? :-
 'प्रसरतु-सुरभारती' नामक पाठटिब लेखक के ?
- (vii) 'मालविकाग्निमित्रम्' is a drama. 1
 Write 'Yes' or 'No'.
 'मालविकाग्निमित्रम्' एखन नाटक।
 'हय' ने 'नहय' लिखा।
 'मालविकाग्निमित्रम्' एकाटि नाटक।
 'ह्या' अथवा 'ना' लेखो।
- (viii) How many Cantos are there in the 'रघुवंशम्'? 1
 'रघुवंशम्'त केईटा सर्ग आछे ? १०टा
 'रघुवंशम्'-ए कयटि सर्ग आछे ?
- (ix) Write the word opposite in meaning of 'मुक्त'. 1
 'मुक्त' शब्दर विपरीत अर्थ बुजोरा शब्द लिखा। → बद्धः
 'मुक्त' शब्दर विपरीत अर्थ बुकिये लेखो।

6. (a) Account for the case-endings in **any two** of the following :

2×2=4

তলৰ যি কোনো দুটাৰ কাৰক-বিভক্তি নিৰ্ণয় কৰা :

নীচৰ যে কোনো দুটিৰ কাৰক-বিভক্তি নিৰ্ণয় কৰো :

‘নগৰে’ in Q. No. 1(a)

[1 নং (a) প্ৰশ্নত]

[1 নং (a) প্ৰশ্নতে]

‘গৃহৰক্ষা’ in Q. No. 1(b)

[1 নং (b) প্ৰশ্নত]

[1 নং (b) প্ৰশ্নতে]

‘স্বদেশাত্ম’ in Q. No. 1(c)

[1 নং (c) প্ৰশ্নত]

[1 নং (c) প্ৰশ্নতে]

‘তস্য’ in Q. No. 2(a)

[2 নং (a) প্ৰশ্নত]

[2 নং (a) প্ৰশ্নতে]

<http://www.assamboard.com>

(b) Derive **any two** of the following :

2×2=4

তলৰ যি কোনো দুটাৰ ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰা :

নীচৰ যে কোনো দুটিৰ ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰো :

‘প্ৰোৱাৰ’ in Q. No. 1(a) Or

[1 নং (a) নাইবা প্ৰশ্নত]

[1 নং (a) অথবা প্ৰশ্নতে]

‘জাগৰিষ্মতি’ in Q. No. 1(b)

[1 নং (b) নাইবা প্ৰশ্নত]

[1 নং (b) অথবা প্ৰশ্নতে]

‘আগতঃ’ in Q. No. 2(a) Or

[2 নং (a) নাইবা প্রশ্নত]

[2 নং (a) অথবা প্রশ্নতে]

‘বর্দ্ধন্তে’ in Q. No. 2(a)

[2 নং (a) প্রশ্নত]

[2 নং (a) প্রশ্নতে]

7. (a) Decline **any two** of the following :

1½×2=3

তলৰ যি কোনো দুটাৰ শব্দৰূপ লিখা :

নীচের যে কোনো দুটির শব্দরূপ লেখো :

✓ ‘নদী’ in তৃতীয়া singular

[তৃতীয়া বিভক্তিৰ একবচনত]

[তৃতীয়া বিভক্তিৰ একবচনে]

✓ ‘নম্’ in ষষ্ঠী plural

[ষষ্ঠী বিভক্তিৰ বহুবচনত]

[ষষ্ঠী বিভক্তিৰ বহুবচনে]

‘ভ্রাতৃ’ in দ্বিতীয়া plural

[দ্বিতীয়া বিভক্তিৰ বহুবচনত]

[দ্বিতীয়া বিভক্তিৰ বহুবচনে]

‘সম্রাজ্’ in সমমী dual

[সমপ্তমী বিভক্তিৰ দ্বিবচনত]

[সমপ্তমী বিভক্তিৰ দ্বিবচনে]

1½×2=3

(b) Conjugate **any two** of the following :

তলব যি কোনো দুটাৰ ধাতুরূপ লিখা :

নীচের যে কোনো দুটির ধাতুরূপ লেখো :

√বিদ্ in লঙ্ অন্

[লঙ্ বিভক্তির অন্]

[লঙ্ বিভক্তির অন্]

√পহ্ in লোট্ আৰ

[লোট্ বিভক্তির আৰ]

[লোট্ বিভক্তির আৰ]

√কৃ in বিধিলিঙ্ (আত্মনেপদ) ইয়

[বিধিলিঙ্ বিভক্তির (আত্মনেপদ) ইয়]

[বিধিলিঙ্ বিভক্তির (আত্মনেপদ) ইয়]

√ই in লৃট্ স্যতঃ

[লৃট্ বিভক্তির স্যতঃ]

[লৃট্ বিভক্তির স্যতঃ]

(c) Name and expound **any two** of the following :

2×2=4

তলব যি কোনো দুটাৰ ব্যাসবাক্য লিখি সমাসৰ নাম লিখা :

নীচের যে কোনো দুটির ব্যাসবাক্য লিখে সমাসের নাম লেখো :

রাজপথঃ ; সূর্যচন্দ্রমসৌ ; দীর্ঘবাহু ; সমহার্তা।

(d) Change the voice in **any one** of the following :

2

তলব যি কোনো এটাৰ বাচ্য পৰিবৰ্তন কৰা :

নীচের যে কোনো একটিৰ বাচ্য পৰিবৰ্তন কৰো :

(i) विशुना ह्यते।

(ii) स मां नगरं नयति।

(iii) तन्मया कर्तव्यम्।

(e) Define and illustrate 'करण कारक'.

2+1=3

'करण कारक'ৰ সংজ্ঞা আৰু উদাহৰণ দিয়া।

'करण कारक'-এৰ সংজ্ঞা এবং উদাহरण दाओ।

Or / নাইবা / অথবা

Give examples, in suitable sentences, of **any two** of the following : $1\frac{1}{2} \times 2 = 3$

উপযুক্ত বাক্যত তলৰ যি কোনো দুটাৰ উদাহৰণ দিয়া :

উপযুক্ত বাক্যে নীচের যে কোনো দুটির উদাহরণ दाओ :

(i) अर्थि-शीङ्-स्थासां कर्म

(ii) तादर्थ्ये चतुर्थी

(iii) भूवः प्रभवः

(iv) यत्प्रश्न निर्धारणम्

(f) Give the resultant forms of **any two** of the following :

$1 \times 2 = 2$

তলৰ যি কোনো দুটাৰ নিষ্পন্ন ৰূপ লিখা :

নীচের যে কোনো দুটির নিষ্পন্ন ৰূপ লেখো :

(i) √कृ + णिच् + लट् ति

(ii) √नम् + णिच् + लट् ति

(iii) √पा + सन् + लट् ति

(iv) √गै + सन् + लट् ति

8. Translate into Sanskrit **any four** of the following sentences :

তলৰ যি কোনো চাৰিটা বাক্য সংস্কৃতলৈ অনুবাদ কৰা :

$2\frac{1}{2} \times 4 = 10$

নীচের যে কোনো চারটি বাক্য সংস্কৃতে অনুবাদ করো :

(a) The children are playing in the playground.

ল'ৰা-ছোৱালীবিলাকে খেলপথাৰত খেলি আছে।

ছেলেমেয়েৱা খেলার মাঠে খেলা করছে।

(b) Which class do you read in?

তুমি কোন শ্ৰেণীত অধ্যয়ন কৰা ?

তুমি কোন শ্ৰেণীতে অধ্যয়ন কৰো ?

(c) Rama killed Ravana, the king of Lanka.

ৰামে লঙ্কাৰ ৰজা বাৰণক নিহত কৰিছিল।

ৰাম লঙ্কাৰ ৰাজা বাৰণকে বধ কৰেছিল।

(d) Nothing can be accomplished without hard work.

পৰিশ্ৰম অবিহনে কোনো কাৰ্য সাধন নহয়।

বিনা পৰিশ্ৰমে কোনো কাৰ্য সাধন কৰা যায় না।

(e) I shall go to Delhi tomorrow.

মই কাইলৈ দিল্লীলৈ যাম।

আমি আগামীকাল দিল্লী যাব।

(f) He is receiving instruction from the preceptor.

তেওঁ আচাৰ্যৰ পৰা উপদেশ গ্ৰহণ কৰি আছে।

সে আচাৰ্যৰ থেকৈ উপদেশ গ্ৰহণ কৰছে।

<http://www.assamboard.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से